उड़ान

संरक्षक : प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी
प्रधान संपादक : प्रो. एच . पी . शुक्ल
संपादक: डॉ. राजेन्द्र कैड़ा
शिल्प एवं संरचना : विनीत पौडियाल

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का त्रैमासिक न्यूज़ लेटर

जून - नवंबर 2020-21 (पूरक अंक) www.uou.ac.in

कुलपति की कलम से

साथियो,

विश्वविद्यालय के न्यूज़ लेटर 'उड़ान' के इस नए अंक के माध्यम से मुझे आप सब को यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि विश्वविद्यालय के स्थापना-काल से लेकर अब तक की हमारी यात्रा उपलब्धियों से भरी है। अपने सीमित संसाधनों में हमने राज्य के श्रेष्ठ विश्वविद्यालय की सूची में स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि का कारण यह है कि हम अपने कार्य, लक्ष्य तथा उद्देश्य के प्रति एकाग्र रहे हैं तथा हमने शिक्षा, शिक्षण एवं छात्र की केन्द्रीयता स्थापित की है। हमारी छात्र संख्या क्रमश: बढ़ती रही है जो आज बढ़कर 90000 हो चुकी है। यह तथ्य इस बात का संकेतक है कि छात्र और समाज के मध्य हमारी स्वीकार्यता निरंतर बढ़ती जा रही है। महामारी कोरोना के समय भी विश्वविद्यालय ने वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर स्वयं को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने का कार्य सफलतापूर्वक किया है। माननीय प्रधानमंत्री जी के मन्त्र-वाक्य 'वोकल फॉर लोकल' को हमने 'थिंक ग्लोबल - एक्ट लोकल' के रूप में अपनाया और उसी आधार पर कार्यों के समन्वयन के प्रयत्न किए।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थी केन्द्रित विश्वविद्यालय होने के कारण यहाँ अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत, ज्योतिष, सामाजिक कार्य, योग, पर्यटन, अर्थशास्त्र, एवं होटल मैनेजमेंट में अपनी स्व-निर्मित अध्ययन सामग्री है। इसके अतिरिक्त उर्दू, संगीत, इतिहास, लोक प्रशासन, राजनीति विज्ञान एवं गृह विज्ञान में हमने स्नातक स्तर पर अपनी अध्ययन सामग्री निर्मित कर ली है। इस बीच हमने रसायनशास्त्र, भौतिकी, जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान तथा भूगोल विषयों की भी अध्ययन सामग्री निर्मित की। इस आधार पर विश्वविद्यालय के सभी कार्य-कलापों का लेखा-जोखा अत्यंत सक्षेप में 'उड़ान' के रूप में आप सभी के सामने आ रहा है।

अंत में, मैं अपने समस्त शिक्षक साथियों, अधिकारियों और कर्मचारियों एवं 'उड़ान' की टीम को भी धन्यवाद देता हूँ, जिनके परिश्रम से विश्वविद्यालय इस ऊंचाई तक पहुंचा। महामारी के लंबे और भयावह काल में सम्पूर्ण राष्ट्र की जिजीविषा को मैं प्रणाम करता हूँ तथा साथ ही सभी दिवंगत नागरिकों को विश्वविद्यालय की ओर से अपनी संवेदनाएँ अर्पित करता हूँ।

जय हिन्द, जय उत्तराखण्ड

(प्रोफ़ेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी)
कुलपति

सम्पादकीय

आदरणीय पाठकों, विश्वविद्यालय के न्यूज़ लेटर 'उड़ान' के इस नए अंक को आप सभी के सामने रखते हुए एक बार फिर 'उड़ान' की टीम को न केवल हर्ष है बल्कि अपनी जिम्मेदारियों का भी अनुभव हो रहा है।ये बीस पन्ने विश्वविद्यालय के पिछले लंबे समय में किए गए अत्यंत महत्त्वपूर्ण और दीर्घकालिक महत्ता के कार्यों का बेहद संक्षिप्त शब्द-चित्र है। महामारी के दीर्घ समयांतर के कारण इस बार 'उड़ान' के प्रकाशन का कार्य तो लंबित रहा परन्तु विश्वविद्यालय निरन्तर अलग-अलग माध्यमों से कार्यशील रहा | 'उड़ान' का कलेवर अत्यंत संक्षिप्त है इस कारण सभी विभागों के कार्यों का लेखा-जोखा बेहद संक्षेप में देना हमारी मजबूरी रही है। कई महत्त्वपूर्ण सूचनाएं भी स्थान नहीं पा सकी हैं जिसका हमको खेद है। आगे आने वाले अंकों में इस त्रुटि का परिमार्जन करने का प्रयत्न किया जाएगा। आपके सुझाव एवं सलाह को 'उड़ान' की टीम ने सदैव अपने श्रम-पारितोष के रूप में देखने का प्रयत्न किया है।

स्नेह एवं सम्मान के साथ .....

(राजेन्द्र कैड़ा)
संपादक

कोरोना महामारी समय में विश्वविद्यालय द्वारा किए गये कार्यों का संक्षिप्त विवरण

- शिक्षकों द्वारा विभिन्न विषयों में वर्चुअल प्रयोगात्मक परीक्षा सम्पन्न कराई गई।
- विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 21 जून, 2021 के अवसर पर ऑनलाईन योग कार्यक्रम एवं वेबीनार का आयोजन किया गया।
- प्रत्येक वर्ष की भांति उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में 05 जून 2021 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया।
- विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस, 2021 के उपलक्ष्य पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की ओर से 'कोविड-19 के सन्दर्भ में खाद्य सुरक्षा एवं स्वास्थ्य' विषय पर दिनाँक 07/06/2021 को एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
- सभी प्राध्यापकों द्वारा विभिन्न विषयों के सत्रीय कार्यों (Assignment) का निर्माण किया गया तथा वाह्य विशेषज्ञों द्वारा निर्मित सत्रीय कार्यों (Assignment) का प्रारूप एडिटिंग तथा सामग्री एडिटिंग कर उसे अपलोड किया गया।
- अमेज़न के सहयोग से AWS अकादमी की शुरुआत व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा के साथ साझा तौर पर की गयी है जिसमें वर्चुअल मोड में क्लाउड कंप्यूटिंग (Cloud Computing) से सम्बंधित विभिन्न स्किल एवं रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाएगा। समस्त पाठ्यक्रम ऑनलाइन LMS (Learning Management System) के माध्यम से संचालित किए जाएगे साथ ही लर्निंग मेटेरियल (Theory + Practical) भी अकादमी द्वारा निःशुल्क प्रदान किया जायेगा। AWS अकेडमी के माध्यम से क्लाउड फाउंडेशन और मशीन लर्निंग पर ऑनलाइन कोर्स का संचालन आगामी सत्र से किया जायेगा, जिस हेतु अध्ययन सामग्री अकादमी द्वारा (सॉफ्ट कॉपी) निःशुल्क प्रदान की जाएगी।
- व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की श्रंखला में तीन नए पाठ्यक्रम संचालित किये जाने प्रस्तावित हैं यथा- कम्युनिटी रेडियो, सॉफ्ट स्किल एंड आईटी स्किल्स एवं डाटा साइंस विद आर प्रोग्रामिंग। उक्त पाठ्यक्रमों को आगामी सत्र में शुरू किया जायेगा।
- वर्तमान में सम्बन्धित विद्याशाखा द्वारा विभिन्न विषयों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं - डिजिटल मार्केटिंग एंड मैनेजमेंट, सॉफ्ट स्किल एंड ई- ऑफिस मैनेजमेंट, टेक्नोलॉजी इनेबल्ड एजुकेशन, वेब डिजाइनिंग एंड डेवलपमेंट।

- नए सत्र में बीएड (ओडीएल) प्रवेश परीक्षा फॉर्म को ऑनलाइन किये जाने हेतु प्रवेश विवरणिका से सम्बंधित विषयों के संदर्भ में सभी प्राध्यापकों से सुझाव आमंत्रित किये गए तथा बीएड (ओडीएल) प्रवेश परीक्षा फॉर्म के विज्ञापन की प्रक्रिया प्रारंभ की गयी।
- बीएड (ओडीएल) तृतीय सेमेस्टर में अध्ययनरत विद्यार्थियों का प्रयोगात्मक परीक्षा (इंटर्नशिप) कार्यक्रम 21, 22 तथा 23 जून 2021 को ऑनलाइन आयोजित किया गया जिसमे बीएड (ओडीएल) तृतीय सेमेस्टर में अध्ययनरत 120 विद्यार्थियों का प्रयोगात्मक परीक्षा वाह्य परीक्षक की ऑनलाइन उपस्थिति में आयोजित किया गया
- Provided students support regarding admissions, books etc. through electronic conversation and resolved their quarries.
- School of Computer Science & IT conducted Expert Committee and Board of Studies Meeting on 14 and 15 June, 2021 respectively to Review the course structure, credits and syllabus of Masters of Computer Applications (MCA), PG Diploma in Computer Applications (PGDCA), etc. in view of AICTE ODL regulation, 2021.

अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के द्वारा अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के पावन अवसर पर कार्यक्रम का प्रारम्भ कुलगीत के साथ किया गया। नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत गंगा शपथ कराई गयीं। विश्वविद्यालय के योग विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ0 भानु प्रकाश जोशी ने कार्यक्रम का आरम्भ किया तथा उन्होंने बताया कि वर्तमान समय करोना काल में हम योग के माध्यम से किस प्रकार तनावमुक्त रह सकते हैं और जिससे हमारे आत्मविश्वास में वृद्धि होती है और हम हर प्रकार की बीमारी का सामना के सकते है।

कार्यक्रम में करोना काल में योग की क्या भूमिका है इस विषय में चर्चा की तथा उसके पश्चात् आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रोटोकॉल के अनुसार एक घण्टे का सामूहिक योगाभ्यास कराया गया जिसमें मुख्य रूप से ग्रीवासंचाल, ताड़ासन, कटिचक्रासन, उत्तानपादासन, त्रिकोणासन, वज्रासन,

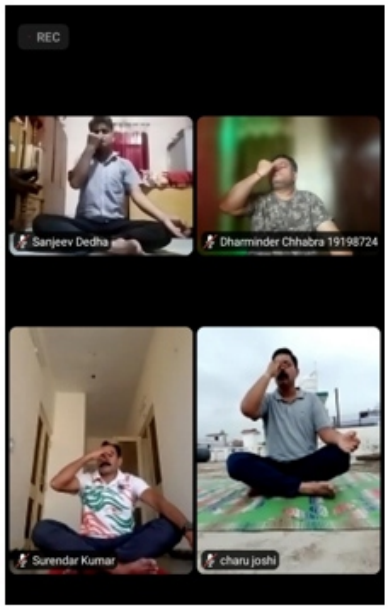

उष्टासन, शशांकासन, तितलीआसन, माण्डूकासन, वक्रासन, मत्स्येन्द्रासन, दण्डासन, मकरासन, भुजंगासन, शलभासन, उत्तानपादासन, पवनमुक्तासन, शवासन आदि आसनों और कपालभाति षट्कर्म एवं अनुलोम-विलोम प्राणायाम, शीतली प्राणायाम एवं भ्रामरी आदि प्राणायाम के अभ्यास कराए गए।

स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निर्देशक प्रो0 आर0सी0 मिश्र द्वारा वर्तमान कोविड-19 परिपेक्ष में योग के द्वारा स्वयं को स्वस्थ्य किस प्रकार रखा जा सकता है और उन्होंने बताया की योग व्यक्ति को स्वास्थ के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक इन चारों आयामों में स्वस्थ्य रखता है और सप्तम् अन्तराष्टीय योग दिवस की थीम 'योगा फॉर वेलबीइंग' पर चर्चा की गयी और उनहोंने बताया कि योग किस प्रकार से व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करता है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष कर रहे विश्वविद्यालय परिवार के माननीय कुलपति महोदय जी ने अपने विचार व्यक्त किये उन्होंने बताया कि योग के अभ्यास से मन और शरीर पर क्या वैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है विशेष रूप से अष्टांग योग के अंगों का अभ्यास हमारे मन एवं शरीर पर किस प्रकार प्रभाव डालते हैं इस विषय पर चर्चा की । इसके पश्चात् इस कार्यक्रम के समापन में विश्वविद्यालय परिवार के कुलसचिव प्रो0 एच0एस0 नयाल जी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया तथा इस अन्तराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में लगभग 250 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

राष्ट्रीय वेबिनार - वर्तमान परिदृश्य में योग की भूमिका

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी (नैनीताल) के योग विज्ञान विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा द्वारा अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या 20 जून 2021, पर एक राष्ट्रीय वेबिनार-वर्तमान परिदृश्य में योग की भूमिका विषय पर आयोजन किया गया तथा जिसका शुभ आरम्भ कुलगीत के साथ किया गया। इसके पश्चात् आयुष मंत्रालय द्वारा अनुमोदित योगगीत गाया गया तथा इस कार्यक्रम के संरक्षक विश्वविद्यालय परिवार के माननीय कुलपति महोदय प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी थे।

कार्यक्रम संयोजक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निर्देशक प्रो० आर०सी० मिश्र थे। एवं कार्यक्रम के समन्वयक योग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० भानु प्रकाश जोशी थे तथा इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 देवी प्रसाद त्रिपाठी उपस्थित थे एवं बीज वक्तव्य पद्मश्री भारत भूषण किया गया एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो0 जी0 डी0 शर्मा उपस्थित थे।

सर्वप्रथम योग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० भानु प्रकाश जोशी द्वारा वर्तमान समय में योग की भूमिका में बताया कि योग के द्वारा हमें सर्वप्रथम मानसिक शान्ति प्राप्त होती है और जिसका प्रभाव हमारे शारीर पर पड़ता है। जिससे हम मानसिक रूप से तो स्वस्थ्य होते ही हैं शारीरिक रूप से भी हम हर बिमारी का आसानी से सामना कर सकते हैं और इस करोना काल में योग अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। योग द्वारा हम तनावमुक्त रह सकते हैं, शरीर को स्वस्थ्य रख सकते हैं एवं अपनी रोगप्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते आदि विषयों में चर्चा के पश्चात् मुख्य अतिथि, बीज वक्तव्य एवं विषय विशेषज्ञ आदि का कार्यक्रम में स्वागत कराया गया और सर्वप्रथम विषय विशेषज्ञ प्रो0 जी0 डी0 शर्मा जी को व्याख्यान हेतु आमन्त्रित किया गया जिसमें उन्होंने करोना काल में स्वास्थ्य लाभ हेतु भगवदगीता, घेरण्ड संहिता, हठप्रदीपिका, उपनिषद एवं पुराण आदि शास्त्रों में वर्णित ज्ञान का वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक तरीके से निरूपण किया गया एवं आसन एवं प्राणायाम किस प्रकार हमारे व्यक्तित्व में बदलाव लाते हैं इस पर चर्चा की गयी तथा स्वयं को स्वस्थ्य रखने के लिए योग दर्शन में वर्णित अभ्यास, वैराग्य एवं अष्टांग योग विषय पर विस्तृत चर्चा की गयी। उसके पश्चात् बीज वक्तव्य में पद्मश्री भारत भूषण ने योग के द्वारा व्यक्ति के संस्कारों की शुद्धि किस प्रकार की जा सकती है, योग के माध्यम से भारतीय संस्कति को किस प्रकार बचाया जा सकता है, भारत के विश्वविद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था को किस प्रकार सुव्यवस्थित किया जा सकता है, व्यक्ति के व्यक्तित्व को किस प्रकार आसन एवं प्राणायाम द्वारा परिष्कृत किया जा सकता है, स्वामी विवेकानन्द जी, स्वामी दयानन्द जी के आदर्शों को अपनाकर व्यक्ति के स्वरूप को बदला जा सकता है, रोग मुक्ति हेतु प्राणायाम और आसनों को विशेष बताया गया एवं वर्तमान समय करोना काल में प्राणायाम का अभ्यास अर्थात् श्वास-प्रश्वास में विशेष ध्यान देने से व्यक्ति नकारात्मकता से कैसे बाहर निकल सकता है इस विषय पर विस्तृत चर्चा की गयी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो0 देवी प्रसाद त्रिपाठी द्वारा योग विद्या के द्वारा आध्यात्मिक, आदिदैविक एवं आदिभौतिक इन तीनों दुःखों से कैसे मुक्ति पा सकते हैं, वर्तमान समय करोना काल में योग के द्वारा हम स्वयं को किस प्रकार स्वस्थ्य रख जा सकते हैं, मानसिक स्वास्थ्य को स्वस्थ्य रखने के लिए चित्त की वृत्तियों को प्राणायाम एवं ध्यान के अभ्यास से किस प्रकार शान्त किया जा सकता है, अष्टांग योग के अंगों की चर्चा की गयी, यम- सत्य, अहिंसा, अस्तेय एवं ब्रहमचर्य इन पांच अंगों का पालन और नियम- शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय एवं ईश्वर प्रणिधान इन अंगों का प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को किस प्रकार पालना कराना चाहिए इस विषय में विस्तत चर्चा की गयी।

कार्यक्रम के संयोजक प्रो० आर० सी० मिश्र द्वारा उद्बोधन में वर्तमान समय में योग द्वारा हम मन और शरीर को कैसे स्वस्थ्य रख सकते हैं प्राणायाम, ध्यान आदि के अभ्यास से हमारे मानसिक वीकार समाप्त होते हैं और सकारात्मक विचारों में वृद्धि होती है जिससे हमारे आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती हैं और आसनों द्वारा हम किस प्रकार से शारीरिक स्वास्थ्य लाभ ले सकते हैं आदि विषयों पर भगवद्गीता, उपनिषद्, पुराण, योग दर्शन आदि ग्रन्थों का आध्यात्मिक निरूपण किया और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी महानुभावों का आभार व्यक्त किया गया। इसके पश्चात् इस कार्यक्रम के समापन में विश्वविद्यालय परिवार के कुलसचिव प्रो0 एच0एस0 नयाल द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया तथा इस अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रय में लगभग 290 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

2-week Faculty Development Program on "Developing Online Courses for SWAYAM"

School of Computer Science & IT conducted a 2-week Faculty Development Program on "Developing Online Courses for SWAYAM" from 21st June, 2021. This course is offered through the UOU's Moodle based platform. UOU announces the courses details in the University website, Social Media platforms like Facebook, Linkedin, etc. and invited the participants for registration through google form. After removing the duplicate entries, total 1476 participants registered for the FDP program. To facilitate the registration on the course portal, the organizers created the login for the participants and the credentials were sent to them along with instruction through registered email. Around 750 participants (more than 50%) are actively participating in course activities.

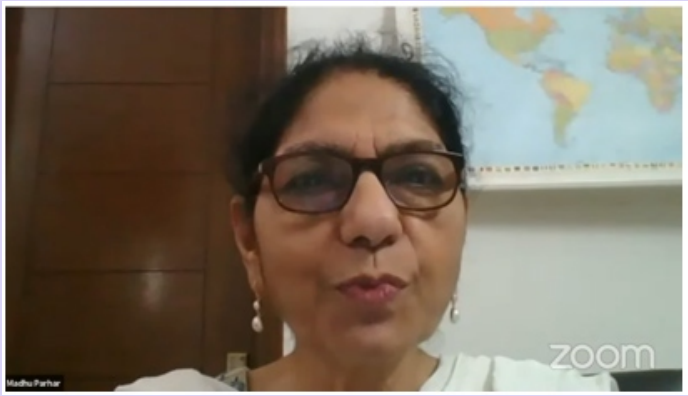

A live discussion forum was also conducted through ZOOM on 26 June at 18:00 Hrs were more than 200+ participants actively participated and their queries were resolved by the expert Mr. Manas, Dr. Mythali, Prof. Anirban, Mr. Ashish, Prof. Durgesh Pant and Dr. Jeetendra Pande.

पांच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन

व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा द्वारा पांच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन 21 से 25 जून, 2021 के दौरान किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की पहुंच को दूर दराज के क्षेत्रों तक पहुंचाने के साथ साथ स्किलिंग, री- स्किलिंग और अप स्किलिंग पर जोर देना रहा। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में व्यावसायिक विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला की रुपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए स्किलिंग, री- स्किलिंग और अप स्किलिंग पर जोर दिया और विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा की आप व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रसार और इनकी पहुंच जन-जन तक पहुंचाने के लिए हमारे ब्रांड अम्बेस्डर की साबित होंगे। कार्यशाला में अन्य वक्ताओं ने कौशल शिक्षा को भविष्य की जरुरत बताते हुए इसके व्यापक प्रचार और जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा की सिर्फ शैक्षिक डिग्रीयो के भरोसे हम रोजगार के लिए इन्तजार नहीं कर सकते बल्कि हमें कौशल विकास पर मुख्य रूप से जोर देना होगा जिससे की आत्मनिर्भर भारत का सपना सच होगा।

भारतीय पुनर्वास परिषद की विशेष बी.एड. के नवीन नियम एवं परिनियमों हेतु बैठक

भारतीय पुनर्वास परिषद की बी.एड विशेष शिक्षा (मुक्त एवं दूरस्थ माध्यम) के नवीन नियम एवं परिनियमों हेतु बनी एक्सपर्ट कमेटी की दूसरी बैठक दिनांक-14 जून 2021 को वर्चुअल माध्यम से आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 ओ पी एस नेगी द्वारा की गई जो कि इस समिति के अध्यक्ष भी हैं।बैठक का संचालन भारतीय पुनर्वास परिषद के सदस्य सचिव डॉ सुबोध कुमार द्वारा किया गया इससे पूर्व प्रथम बैठक में लिए गए निर्णय के तदनुसार प्रो. एस आर मित्तल सेवानिवृत्त प्रोफेसर राष्ट्रीय दृष्टिबाधितार्थ संस्थान, देहरादून, प्रो. अमिताभ मिश्र, इग्नू, और अन्य नामित विशेषज्ञों की समिति द्वारा बनाए गए ड्राफ्ट पर सभी समिति के सदस्यों से चर्चा की गई।

बैठक में सभी सदस्यों द्वारा हर बिंदुओं पर अपने विचार सहमति और असहमति व्यक्त की गई।जिसके आधार पर कमेटी के अध्यक्ष प्रोफेसर ओ पी एस नेगी द्वारा सभी बिंदुओं पर अपेक्षित सुधार करने के निर्देश दिए गए साथ ही यह निर्णय लिया गया कि यथाशीघ्र कमेटी की अगली बैठक बुलाकर बी.एड. विशेष शिक्षा (मुक्त एवं दूरस्थ माध्यम) के नवीन नियम एवं परिनियमों को अंतिम रूप दे दिया जाए। बैठक के अंत में भारतीय पुनर्वास परिषद के सदस्य सचिव डॉ सुबोध कुमार द्वारा सभी का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया।

विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव बसानी में बृहद रूप से पौधारोपण किया गया और ग्रामीणों को उनके संरक्षण की जिम्मेदारी दी गयी। साथ ही इस मौके पर युथ हॉस्टल एसोसिएशन की जिला इकाई की ओर से साइकिल रैली निकालकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी के निर्देशन पर विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव बसानी में शुक्रवार को हरेला पर्व पर लगभग तीन दर्जन से अधिक फलदार, छायादार व फूलदार पौधों का रोपण किया गया। साथ ही उनके घेरबाड़ की भी आंशिक रूप से व्यवस्था की गयी और कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों को उनके संरक्षण की जिम्मेवारी दी गयी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. गिरिजा पाण्डे व नोडल अधिकारी राजेन्द्र सिंह क्वीरा, सरमाउण्ट स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती वनिता क्वीरा सहित दर्जनों लोगों ने बसानी में सरमाउण्ट पब्लिक स्कूल व उसके आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण किया। साथ ही उपस्थित ग्राम वासियों से पौधों की देखभाल करने की अपील की, जिस कई लोगों ने पौधों की देखभाल करने की जिम्मेवारी ली।

Hello Haldwani हैलो हल्द्वानी 91.2 FM

TOLL FREE
18001804025

/uoulive
/uoulive

UOU APP GET IT ON Google Play

Hello Haldwani 91.2 FM GET IT ON Google Play

हरेला पर्व के अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम

दिनांक 16 जुलाई 2020 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा मुख्यालय में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। वृक्षारोपण फलदार तथा नीम के पौधों का किया गया। वृक्षारोपण करते हुए कुलपति प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी ने कहा कि हरेला हमारी संस्कृति, परम्पराओ से जुड़ा एक बहुत ही महत्वपूर्ण पर्व है।

वर्तमान में जहां हमारी पहाड़ की संस्कृति को संजोने और सरंक्षित करने में इसका बड़ा योगदान हो सकता है, वहीं आज के समय में बिगड़ते पर्यावरण संतुलन को बचाने में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर व निदेशक मानविकी विद्याशाखा प्रो0 एच पी शुक्ल, कुलसचिव प्रो0 एच एस नयाल, परीक्षा नियंत्रक प्रो0 पी0 डी0 पन्त, प्रो0 ए0 के0 नवीन, सहायक क्षेत्रीय निदेशक ब्रजेश बनकोटी, गोविंद सिंह रावत,पंकज कुमार, प्रियंका लोहनी भरत नैनवाल आदि मौजूद रहे।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, परिसर देहरादून में वृक्षारोपण

दिनांक 16 जुलाई 2021 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, परिसर देहरादून द्वारा उत्तराखण्ड के लोक पर्व हरेला के अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गाँव मोथोरोवाला एवं समाल्टा में जन-जागरुकता अभियान के तहत 16 जुलाई 2021 को पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रो0 दुर्गेश पंत जी के निर्देशन में विश्वविद्यालय के परिसर कर्मियों श्री नरेन्द्र जगूडी, श्री बृजमोहन खाती, श्री अजय कुमार सिंह, श्री सुनील नेगी, श्री राहुल देव एवं श्री चेतन थापा के द्वारा मोथरोवाला के अन्तर्गत स्थित श्री गुरूराम राय इन्टर कॉलेज, मोथोरोवाला देहरादून में प्रधानाचार्य जी के साथ मिलकर फलदार पौधों का रोपण किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं समाज कार्य व्यवसाय पर वेबिनार का आयोजन

दिनांक 29 जुलाई 2021 को आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा नयी शिक्षा नीति 2020 के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य मे सभी विश्वविद्यालयो को यह निर्देश दिया गया है कि यह एक शैक्षिक आयोजन का समय है। अतः समस्त देश के विश्वविद्यालय विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से नयी शिक्षा नीति से सम्बंधित कार्यक्रमों का आयोजन करें तथा यूजीसी द्वारा प्राप्त पत्र में नयी शिक्षा नीति की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर कार्यक्रमों के आयोजन का निर्णय लिया गया है। इसी संदर्भ में दिनांक 31/07/2021 को समाज विज्ञान विद्याशाखा के समाज कार्य विभाग द्वारा, " नयी शिक्षा नीति 2020 एवं समाज कार्य व्यवसाय" (राष्ट्रीय समाज कार्य शिक्षा परिषद् बिल 2021के विशेष सन्दर्भ में) पर एक वेबीनार का आयोजन किया गया जिसमें भारत के समाज कार्य से सम्बंधित प्रख्यात विद्वानों द्वारा सहभागिता की गयी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर बलराज चौहान, पूर्व कुलपति, धर्मशास्त्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय उपस्थित थे।

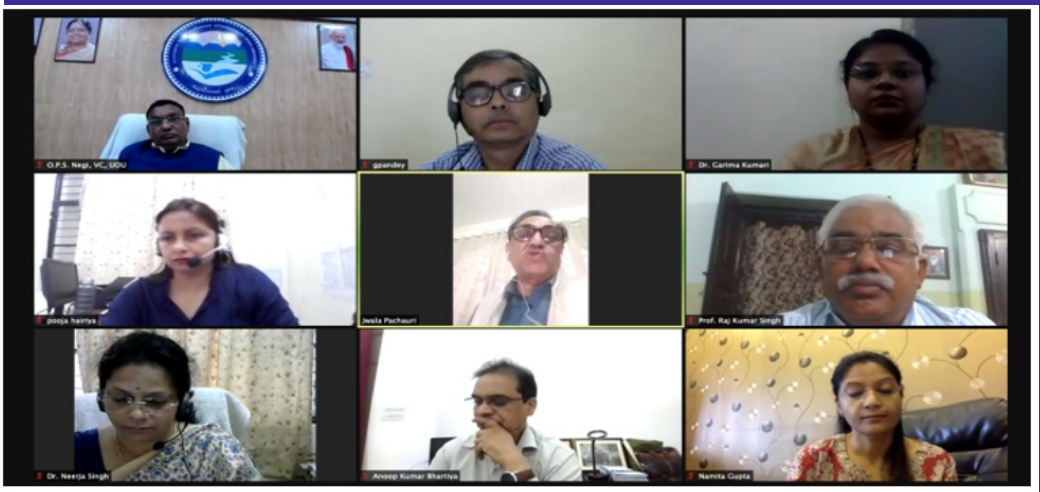

इसके अतिरिक्त प्रो0 संजय भट्ट, प्रो0 जे0 पी0 पचौरी, प्रो0 आर0 पी0 द्विवेदी, प्रो0 अनूप कुमार भारतीय, प्रो0 प्रतिभा जे0 मिश्र इत्यादि ने उद्बोधन प्रस्तुत किया। वेबीनार में माननीय उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति के अतिरिक्त,समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक,समाज कार्य के शिक्षकों एवं लगभग 500 विद्यार्थियों के प्रतिभाग किया।

2 week Faculty Development Program (FDP)

2-week Faculty Development Program (FDP) was organised by School of Computer Science & IT & Online Program Cell of Uttarakhand Open University, Haldwani in collaboration with Commonwealth Educational Media Centre for Asia, New Delhi.The inaugural session was conducted on 21st June, 2021 at 11:00 AM through online mode on ZOOM. More then 300 participants attended the session. Dr. Manas Ranjan Panigrahi- Sr. Program Officer, CEMCA welcomed all the participants and gave an overview of the program.
It was followed by the speech of Prof. Madhu Parhar- Director, CEMCA where informed that SWAYAM requires more than 10000 courses in the near future and these courses are to be developed by the teachers of Higher Education Institutions. She stressed on the importance of creating awareness about creating online courses for SWAYAM. Prof. Durgesh Pant, Director-School of Computer Science & IT, UOU said this program shall pave towards making a truly techno-centric educational ecosystem.

The chief guest of the inaugural session Prof. OPS Negi, Vice Chancellor- Uttarakhand Open University said MOOC are important because it allows learners from the varied geographical background an access to the high-quality educational content. Therefore, this type of FDP programs is especially important for developing capacity of the teacher of the higher education institution to develop online courses. Dr. Jeetendra Pande, Course Coordinator of this FDP program delivered the vote of thanks to all the dignitaries and the participants.

नवीन आन्तरिक शिकायत समिति 2021

दिनांक 30 जुलाई, 2021 (शुक्रवार) को पीठासीन अधिकारी, प्रोफेसर रेनू प्रकाश की अध्यक्षता में प्रातरू 11:30 बजे विश्वविद्यालय सभागार में सम्पन्न आन्तरिक शिकायत समिति (महिला कर्मचारियों एवं छात्रों को लैंगिक उत्पीड़न के निराकरण निषेध एवं सुधार) की सत्र 2021 की प्रथम का आयोजन किया गया। बैठक में प्रोफेसर रेनू प्रकाश, पीठासीन अधिकारी, डॉ0 डिगर सिंह, डॉ0 शालिनी चौधरी, श्री मोहित रावत, श्रीमती प्रियंका पाण्डे, श्रीमती दीपा फुलारा, श्री विमल चौहान, प्रोफेसर ए0के0नवीन, विधि परामर्शक द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रोफेसर रेनू प्रकाश द्वारा बैठक की कार्यसूची, उद्देश्य एवं आगामी कार्य विधियों को विस्तार से आन्तरिक शिकायत समिति के सम्मुख प्रस्तुत किया गया। पीठासीन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि आन्तरिक शिकायत समिति द्वारा शीघ्र ही विश्वविद्यालय मुख्यालय में एक कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। कार्यशाला आयोजित किये जाने का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय में कार्यरत महिला कर्मचारियों एवं अध्ययनरत छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाना है। बैठक में विधि परामर्शक प्रोफेसर ए0के0नवीन द्वारा महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न, निवारण, प्रतिषेध और प्रतिशोध अधिनियम 2013 पर विस्तार से जानकारी दी गयी, जिसके अन्तर्गत महिला के अधिकार, आन्तरिक शिकायत समिति के कार्य व शक्तियॉ, लैंगिग उत्पीड़न की परिभाषा एवं आन्तरिक शिकायत समिति का गठन और जॉच, जॉच लम्बित रहने के दौरान कार्यवाही व जॉच रिपोर्ट तैयार करने के संबंध में समिति के समक्ष विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गयी। अन्त में अध्यक्ष के प्रति धन्यवाद ज्ञापित कर बैठक सम्पन्न हुई।

मनोवैज्ञानिक समस्याएं और मनोवैज्ञानिकों की भूमिका' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा विभाग द्वारा मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित मनोवैज्ञानिक समस्याएं और मनोवैज्ञानिकों की भूमिका विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन दिनांक 19 से 21 जुलाई तक किया गया। वेबीनार का उद्घाटन दिनांक 19 जुलाई को पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, नई दिल्ली, भारत सरकार की अध्यक्षा डॉ स्मिता जयवंत शिक्षा शास्त्र विद्या शाखा के निदेशक प्रो. एच पी शुक्ल, दून मेडिकल कॉलेज, देहरादून के विभागाध्यक्ष एवं स्वास्थ्य विभाग उत्तराखंड के उपनिदेशक डॉ एमके पंत द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का समापन दिनांक 21 जुलाई, 2021 को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी एवं हेमवती नंदन बहुगुणा चिकित्सा विश्वविद्यालय देहरादून के कुलपतिएवं उत्तराखंड राज्य की कोविड-19 टास्क फोर्स के अध्यक्ष प्रोफेसर हेम चंद्र पांडे द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार की रिपोर्ट डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा सभी के समक्ष रखी गई।शिक्षा शास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ भावना धोनी द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया वक्ता के रूप में इग्नू से प्रोफेसर अमिताभ मिश्रा, एमिटी यूनिवर्सिटी से डॉ राम शंकर सक्सैना, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय से डॉ शिव कुमार डॉ सीता, डॉ डिगर सिंह फरस्वाण , डॉ सलोनी अरोड़ा, एसजीटी यूनिवर्सिटी, गुड़गांव से डॉ सुनीता समेत विभागीय सदस्य डॉ कल्पना पाटनी लखेड़ा डॉ दिनेश कुमार डॉ मनीषा पंत डॉ दिनेश कांडपाल डॉ देवकी सिरोला समेत विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एवं प्राध्यापक गण एवं अन्य प्रतिभागी ऑनलाइन उपस्थित रहे।

परीक्षा

- दिनांक 14 जुलाई 2021 को परीक्षा समिति की 14वीं बैठक सम्पन्न कराई गई जिसमें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा निर्देशों के अन्तर्गत कोविड-19 संक्रमण के मध्यनजर विश्वविद्यालय के वर्ष 2020-2021 से संबंधित शीतकालीन सत्र (दिसम्बर-2020) की सेमेस्टर परीक्षाओं एवं ग्रीष्मकालीन सत्र (जून-2021) से संबंधित वार्षिक/सेमेस्टर के (अन्तिम वर्ष/सेमेस्टर के परीक्षार्थियों को छोड़कर) मध्यवर्ती वर्ष/सेमेस्टर पाठ्यक्रमों से संबंधित (मुख्य/बैक/सुधार परीक्षा) परीक्षार्थियों को पूर्व में लागू किये गये नियम के अनुसार प्रोन्नत किये जाने पर समिति द्वारा सर्वसम्मति संस्तुति प्रदान की गई। अन्तिम वर्ष/सेमेस्टर पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं वस्तुनिष्ट प्रणाली के अन्तर्गत बहुविकल्पीय पद्धति से सम्पन्न कराई जायेगी जो कुल दो घंटे की होगी।
- आगामी परीक्षाओं से संबंधित तैयारियॉ/गोपनीय कार्य प्रारम्भ किया जा चुका है।
- विश्वविद्यालय की (परीक्षा सत्र- जून-2021) से संबंधित केवल वार्षिक पाठ्यक्रमों की बैक परीक्षा आवेदन एवं सुधार परीक्षा हेतु (केवल लिखित परीक्षा) आवेदन करने एवं परीक्षा केन्द्र शहर परिवर्तन हेतु ऑनलाइन आवेदन की तिथि 22 जुलाई से दिनांक 20 अगस्त 2021 तक निर्धारित की गई है। सूचना परीक्षार्थियों हेतु जारी की जा चुकी है।
- वार्षिक पाठ्यक्रमों की ऑनलाइन सत्रीय कार्य परीक्षाएं दिनांक 26 जुलाई 2021 से प्रारम्भ की जा चुकी है, सत्रीय कार्य के सम्पादन हेतु सदस्य सचिव द्वारा कमेठी का गठन कर परीक्षा नियंक्षण कक्ष में समस्त सदस्य की उपस्थिति में परीक्षार्थियों की समस्याओं का निवारण कार्य सम्पादित किया जा रहा है।
- जुलाई माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित लगभग 143 मूल उपाधियाँ प्रमाणपत्र एवं अन्य प्रमाणपत्र /सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।
- 15 सितम्बर 2021 से आयोजित हो रही परीक्षाओं का परीक्षा कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वैबाइट जारी किया गया। विश्वविद्यालय के समस्त अध्ययन केन्द्रों को सूचना प्रेषित की गई।
- विश्वविद्यालय की 15 सितम्बर 2021 की परीक्षा हेतु मुख्य परीक्षा-26758, बैक परीक्षा-2778 एवं सुधार परीक्षा-31 (कुल- 29567) परीक्षार्थियों द्वारा आवेदन किया गया है।
- उपरोक्त परीक्षाओं की तैयारी हेतु परीक्षा केन्द्रों से परीक्षा के आयोजन किये जाने हेतु सम्पर्क कर कार्यवाही सम्पादित की गई। फरवरी-2021 की परीक्षा से संबंधित स्क्रूटनी परिणाम का निस्तारण दिनांक 21/08/2021 को किया गया ।
- वार्षिक पाठ्यक्रमों की ऑनलाइन सत्रीय कार्य परीक्षाएं दिनांक 26 जुलाई 2021 से प्रारम्भ की जा चुकी है, सत्रीय कार्य के सम्पादन हेतु सदस्य सचिव द्वारा कमेठी का गठन कर परीक्षा नियंक्षण कक्ष में समस्त सदस्यों की उपस्थिति में परीक्षार्थियों की समस्याओं का निवारण कार्य सम्पादित किया जा रहा है।
- अगस्त माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 495 मूल उपाधियॉप्रमाणपत्र एवं अन्य प्रमाणपत्र /सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

विद्या परिषद की 21वीं बैठक का आयोजन

25 अगस्त, 2021 को विद्या परिषद की 21वीं बैठक का आयोजन मा0 कुलपति जी की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में वाह्य सदस्यों के रूप में प्रो0 बी0एस0 पठानिया, प्रो0 डी0पी0 सकलानी, प्रो0 अभय सक्सेना, प्रो0 एल0के0 सिंह, प्रो0 जे0 एस0 रावत एवं समस्त निदेशक उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने प्रतिभाग किया। इसके अतिरिक्त आमंत्रित सदस्य के रूप में श्रीमती रूचिता तिवारी, वित्त नियंत्रक एवं उपकुलसचिव श्री विमल कुमार मिश्र द्वारा प्रतिभाग किया गया।
बैठक में विभिन्न प्रस्ताव परिषद द्वारा पारित किये गये। विद्या परिषद के सदस्य सचिव/कुलसचिव द्वारा सभी माननीय सदस्यों/आमंत्रित सदस्यों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सभी सदस्यों का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा अंत में अध्यक्ष महोदय की प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुये बैठक संपन्न हुई।

विशेष शिक्षा में सहायक उपकरणों की भूमिका विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो ओम प्रकाश सिंह नेगी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय सूचना तकनीकी का है और डिजिटल तकनीकी का प्रयोग कोविड काल ने हम सब को करना सिखा दिया है। दिव्यांग जनों के लिए समय आ गया है कि नवीन तकनीकी एवं नवीन सहायक उपकरणों का निर्माण कर उनका सशक्तिकरण किया जाए। साथ ही उन्होंने मुक्त विश्वविद्यालय का एक अध्ययन केंद्र संस्थान में खोलने के लिए बात की साथ ही दिव्यांगजनों के लिए पुस्तकों के निर्माण एवं संस्थान के मॉडल विद्यालय में अध्ययनरत दृष्टिबाधित बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन के अंदर प्रवेश दिलाने की का अनुरोध संस्थान के निदेशक से किया साथ ही उनके लिए ब्रेल लिपि में पुस्तकों का संपादन संस्थान की प्रयोगशाला में करवाने की बात कही। दृष्टिबाधितार्थ सशक्तिकरण संस्थान के निदेशक डॉ हिमांशु दास ने अपने उद्बोधन में बताया कि वर्तमान में दिव्यांग जनों के लिए शैक्षिक और पुनर्वास के संस्थान उनकी जनसंख्या के अनुरूप बहुत ही कम है। इसके लिए हम सबको सेवा प्रदाता के रूप में कार्य करना होगा।दूरस्थ शिक्षा की अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका है इसका लाभ दिव्यांगजनों को सशक्त करने में लिया जा सकता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय यथाशीघ्र दिव्यांग जनों के लिए अपना एक अध्ययन केंद्र परिसर में स्थापित करेगा जिससे कि दिव्यांगजनों को उच्च शिक्षा लेने में कोई समस्या नहीं आएगी। कार्यक्रम के संयोजक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने आशा व्यक्त की कि इस तरह के कार्यक्रमों से विशेष शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले लोग दिव्यांग जनों के सशक्तिकरण में सहायता प्राप्त कर सकेंगे।कार्यशाला के पंकज कुमार ने आमंत्रित अतिथियों ने प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित करने के साथ ही ब्रेल लिपि का दृष्टि बाधित दिव्यांगों के अध्ययन में क्या भूमिका है उसके विषय में अवगत कराया।

कार्यशाला में निदेशक डॉ हिमांग्शु दास एवं मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओम प्रकाश सिंह नेगी द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान की पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। कार्यशाला में संस्थान के सहायक प्राध्यापक डॉ विनोद केन डॉ सुनील शिरपुरकर डॉ आरपी सिंह, बृजमोहन सिंह खाती समेत मुक्त विश्वविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ अंजली सिंह द्वारा किया गया।

AICTE TRAINING AND LEARNING (ATAL) ACADEMY SPONSORED ONE WEEK FACULTY DEVELOPMENTPROGRAMME

The School of Computer Science of Uttarakhand Open University in collaboration with All India Council for Technical Education completed the five-day long online faculty development program on Advances of Artificial Intelligence and Machine Learning in Sociological Development, which aimed to train machines using artificial intelligence. Professor Durgesh Pant, Director, Director, School of computer Science and Information Science welcomed Chief Guest Prof. R. K. Soni, Director, Atal Academy, AICTE. Also, Vice Chancellor UOU Prof. OPS Negi thanked the chief guest for his valuable presence.

Registrar Prof. H. S. Nayal gave Vote of thanks. The entire session was coordinated by Dr. Ashutosh Bhatt. In the Technical session. the participants were learnt Artificial Intelligence and Machine Learning by various resource persons.

Prof. Durgesh Pant School of Computer Science and IT Uttarakhand Open University Haldwani gave his lecture on the subject of Spectrum of Social Significant of Artificial Intelligence and Machine Learning. He also discussed about the impact of Artificial Intelligence on life. Dr. Abhay Saxena Dev Sanskriti Vishwavidyalaya delivered a lecture on the topic Machine Learning Innovative and Holistic Approach. He said that it is very important to understand the difference between technical and non-technical. Dr. Sandeep Kumar, Professor IIT Roorkee delivered a detailed lecture on Opportunities in Application of Artificial Intelligence and Machine Learning Indian Perspective. Dr. Mayank Aggarwal, Department of Computer Science and Engineering, Gurukula Kangri Universit, Haridwar, Uttarakhand, Haridwar delivered his talk on the topic Machine learning and Block chain. He demonstrated the block chain sample working. Dr. Darshna Pathak, Symbiosis University, Pune discussed about Machine Learning Techniques and Frameworks. She explained the Statistical Background of Machine Learning and statistics for machine leaning. In the end, she discussed about Machine learning Applications. Dr. Sandeep Kumar, Right Zone Technologies Private Ltd, gave his talk on "identification and implementation machine learning using Python". He began his lecture by introduction of machine learning. He also discussed performance metrices. In the end of session, he demonstrated the hands on one of the real-life applications (machine learning) using Python.

Digital Forensic Course Developed
4-week online training program from12 July to 09 August, 2021

Uttarakhand Open University offered 4-week online trainingprogram from12 July to 09 August, 2021 through MOODLE platform. Course materials were designed and developed by Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor-Computer Science, Uttarakhand Open Universityand his team.The content includes video lectures, power point presentation, transcripts, etc.were uploaded and placed in the sequential manner and provided navigation for easy access. Initially, UOU announces the courses details in the University website, Social Media platforms like Facebook, Linkedin, etc. and invited the participants for registration through google form.Total 3670participants registered for the online trainingpogramon Digital Forensics. To facilitate the registration on the course portal, the organizers created the login for the participants and the credentials were sent to them along with instruction through registered email. Out of total 3670 applications, 2851 participants registered for the courseon the course portal. 1211 participants never logged in to the portalafter registration. So, there were 1647participants who registered for the course and logged in to the course portal for at least once. The chief guest of the inaugural session Prof K. Sita Rama Rao, Vice Chancellor-Dr. B.R. Ambedkar Open University (BRAOU), Hydrabadsaid that Digital Forensics have become one of the important areasadded to the conventional forensicscience. Prof. OPS Negi informed that the Online Journey of UOU in the filed of online delivery ofcourse started in the year 2019 with a MOOC on "Introduction to Cyber Security" was offeredthrough SWAYAM platform. This course has been offered in 4 cycles till date and more that 50,000 learners from more than 48 countries have enrolled in this course. Recently, UOU haveoffered an online FDP program on "Developing Online Course for SWAYAM" which wasattended by more than 1400 faculty member representing 25 States and Union Territories ofthe Country. A huge demand for experts in the field of cyber security is envisioned.

जियोइन्फार्मेटिक्स तकनीक एवं उसमें नवीन संभावनाए विषय पर वेबीनार

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा के अन्तर्गत रिमोट सेन्सिंग एवं जी.आई.एस. विभाग द्वारा जियोइन्फार्मेटिक्स तकनीक एवं उसमें नवीन संभावनाएं विषयक एक वेबीनार का आयोजन दिनांक 10 अगस्त को किया गया। वेबीनार का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के संरक्षक एवं माननीय कुलपति प्रोफेसर ओ.पी.एस. नेगी जी द्वारा किया गया। वेबीनार में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर अजीत कुमार कर्नाटक, कुलपति-वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली उत्तराखण्ड़ औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, भरसार, उत्तराखण्ड उपस्थित रहे। वेबीनार में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर एम.पी.एस. बिष्ट, निदेशक, उत्तराखण्ड़ अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र, देहरादून एवं डॉ. हरीश चन्द्र कर्नाटक, वैज्ञानिक-भारतीय सूदूर संवेदन संस्थान (इसरो), देहरादून, उत्तराखण्ड ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। वेबीनार में जियोइन्फार्मेटिक्स क्षेत्र में प्रयोग होने वाली विभिन्न तकनीकों एवं रिमोट सेंसिंग व जी.आई.एस. क्षेत्र में दृष्टिगत नवीन संभावनाएं पर विषय विषेषज्ञों ने विचार प्रस्तुत किए। प्रोफेसर पी0डी0 पन्त, संयोजक एवं निदेशक, भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा द्वारा स्वागत व्याख्यान दिया गया। वेबीनार की आयोजन सचिव डॉ. रन्जू जोशी पाण्ड़े द्वारा संचालन किया गया तथा वेबीनार की रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई। प्रोफेसर एच0एस0 नयाल, कुलसचिव, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

विश्वविद्यालय की छात्रा तीलू रौतेली पुरस्कार से सम्मानित - विश्वविद्यालय की समाज कार्य की छात्रा नमिता गुप्ता को प्रदेश सरकार ने तीलू रौतेली पुरस्कार दिया है। काशीपुर निवासी नमिता गुप्ता पांच वर्षों से भी अधिक समय से सामाजिक कार्य कर रही है। उन्होंने कारोना महामारी के दौरान जरूरतमंदों की सेवा की और इसके अलावा छात्राओं को सेनेटरी पैड बांटे तथा उनमें जागरूकता फैलाई। मा0 कुलपति जी तथा समस्त विश्वविद्यालय परिवार ने उन्हें बधाई दी।

विद्या परिषद की 21वीं बैठक का आयोजन

25 अगस्त, 2021 को विद्या परिषद की 21वीं बैठक का आयोजन मा0 कुलपति महोदय की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में वाह्य सदस्यों के रूप में प्रो0 बी0एस0 पठानिया, प्रो0 डी0पी0 सकलानी, प्रो0 अभय सक्सेना, प्रो0 एल0के0 सिंह, प्रो0 जे0 एस0 रावत एवं समस्त निदेशक उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने प्रतिभाग किया। इसके अतिरित आमंत्रित सदस्य के रूप में श्रीमती रूचिता तिवारी, वित्त नियंत्रक एवं उपकुलसचिव श्री विमल कुमार मिश्र द्वारा प्रतिभाग किया गया।
बैठक में विभिन्न प्रस्ताव परिषद द्वारा पारित किये गये। विद्या परिषद के सदस्य सचिव/कुलसचिव द्वारा सभी माननीय सदस्यों/आमंत्रित सदस्यों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सभी सदस्यों का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा अंत में अध्यक्ष महोदय की प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुये बैठक संपन्न हुई।

National Webinar on
"Role of India in Environmental Sustainability: In context to Bio-resources & Water"

On the occasion of "Bharat /Azadi Ka Amrit Mahotsav", the Department of Botany (SOS) and Department of Forestry & Environment Science (SOEES), Uttarakhand Open University successfully organized and conducted a National webinar on "Role of India in Environmental Sustainability: In context to Bio resources &water". The programme was financed under 'Namami Gange' Scheme. In this National Webinar, a total of 07 eminent speakers delivered his lecture with chief gust lecture respectively on the above mention theme.

एकदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन "प्राच्य विद्या और पर्यावरण"

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में ज्योतिष विभाग तथा 'नमामि गंगे' परियोजना के संयुक्त तत्वावधान में "प्राच्य विद्या और पर्यावरण" विषय को लेकर दिनांक 16 सितम्बर 2021 को ऑनलाइन के माध्यम से एकदिवसीय राष्ट्रिय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का शुभारम्भ मंगलाचरण के साथ हुआ। तत्पश्चात् समस्त समागत अतिथियों का स्वागत मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल जी के द्वारा किया गया। विषयोपस्थान कार्यक्रम समन्वयक एवं ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. नन्दन कुमार तिवारी के द्वारा किया गया। वस्तुतः यह वेबिनार दो सत्रों में आयोजित किया गया -प्रथम उद्घाटन सत्र और द्वितीय तकनीकी सत्र।

इस कार्यक्रम में भारतवर्ष के 15 राज्यों (उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखण्ड, राजस्थान, उडिसा, तमिलनाडु, दिल्ली, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, जम्मू, पंजाब, केरल तथा महाराष्ट्र) से 155 प्रतिभागियों द्वारा पंजीकरण कराया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी ऑनलाइन उपस्थित रहें।

National Webinar on Sacred River Ganga

The Department of Tourism, Uttarakhand Open University organised a National Webinar on “Emerging Perspectives of Water-Based Tourism in India: Special focus on the Sacred River Ganga”on 22September, 2021. The webinar featured eminent tourism academicians as experts from the various reputed universities across India.

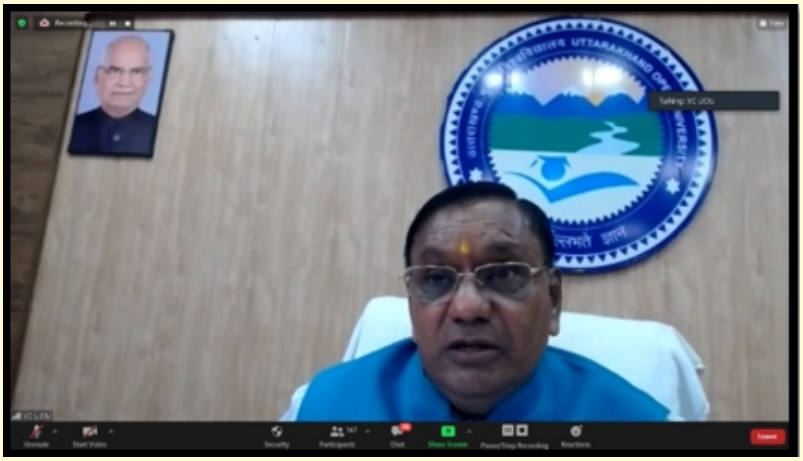

The webinar was hosted by Dr. Akhilesh Singh, started the webinar with an opening remark. Professor R.C. Mishra, delivered the welcome address for the webinar. Prof. Manjula Chaudhary, was the chief guest of the webinar. In her keynote address, she had highlighted the importance of the sacred River Gangafor India and mentioned that we can save River Ganga only when people have full faith in their Rivers. Further, she also highlighted that there is a need to identify some new destinations to start water-based adventure sports activities.

Prof. Nimit Chowdhary, New Delhi, the guest speaker of the programme said that if any outsider wants to understand India then he must travel the cities which are located on the banks of the River Ganga. Prof. Sampad Kumar Swain, Pondicherry, the other guest speaker of the webinar, pointed out that River Ganga has been a cradle of many civilizations, we have been using the water and other resources of the River Ganga for generationsand now the time has come when it is utmost importantto utilise the resources in a very thoughtful manner so that sustainable development goals can be achieved on time. Prof. S.K. Gupta,(HNBGU), Uttarakhand, was the last guest speaker of the webinar, who underlined that Uttarakhand is the source of the most of the important Rivers of India. Professor O.P.S. Negi, Hon'ble Vice-Chancellor, Uttarakhand Open University, in his presidential address highlighted how Uttarakhand Open University can work ahead in this area and contribute in the near future.At the end of the webinar, Dr. Harish Joshi, Nodal Officer, Namami Gange, Uttarakhand Open University, gave a vote of thanks to all the resource persons and participants who were connected from different parts of the world.

The Webinar on 'Cultural Informatics: Special Reference to Uttarakhand'

The Webinar on 'Cultural Informatics: Special Reference to Uttarakhand' was organized by the department of History, Uttarakhand Open University on 10 Sept. 2021. The Webinar was organized under the aegis of Namami Gange Pariyojana. Hon'ble Vice Chancellor, Uttarakhand Open University, Professor Om Prakash Singh Negi was the Chief Patron of the webinar; the chairman was Professor Girija Prasad Pande, Director School of Social Sciences. Hon'ble vice Chancellor, Soban Singh Jeena University, Almora was the Chief Guest, The special guests of the webinar were Professor R.P.Bahuguna, Jamia Millia University, Professor D.P.Saklani, H.N.B.Garhwal Central University, Professor Ajay Singh Rawat Former Director, School of Social Sciences, Uttarakhand Open University, Professor Durgesh Pant, Director, School of Computer Science & Information Technology, Uttarakhand Open University, The organizing Secretary was Dr. M.M.Joshi, Associate Professor of History, Uttarakhand Open University.

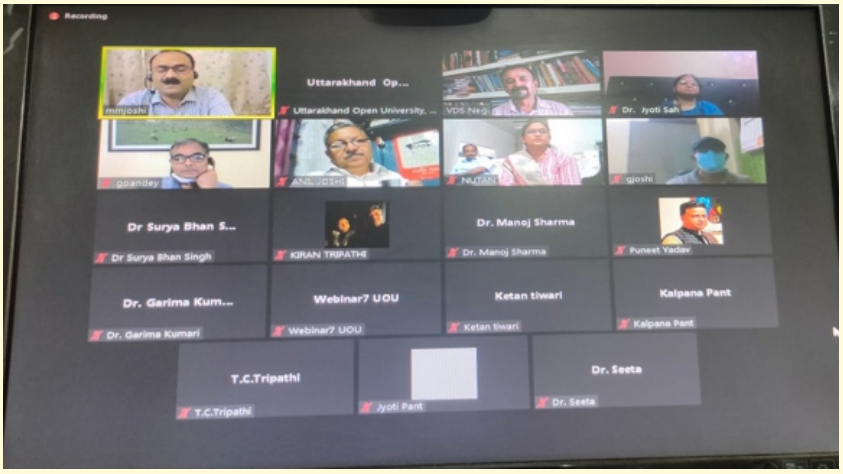

प्रशासनिक भवन लोकार्पण एवं निर्माणाधीन विभिन्न भवनों का शिलान्यास कार्यक्रम

Gandhi Jayanti Celebration 2020

75th Independence Day Celebration 2021

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 1-7 सितम्बर, 2021

प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा 1 से 7 सितम्बर, 2021 के मध्य राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया गया। इस सप्ताह को मनाने का मूल उद्देश्य जनमानस में पोषण सम्बंधी जागरुकता बढ़ाना है। देशभर में सितम्बर माह को 'पोषण माह' के रूप में मनाया जाता है जिसमें स्वास्थ्य एवं पोषण की महत्ता पर जोर दिया जाता है। गृह विज्ञान विभाग प्रत्येक वर्ष इस सप्ताह में पोषण जागरुकता कैम्प, कार्यशालाएं, पोस्टर/चार्ट प्रतियोगिताएँ, क्विज, आहारीय परामर्श सत्र आदि का आयोजन कराता रहा है परंतु इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते विभाग द्वारा विश्वविद्यालय में कार्यक्रम नहीं आयोजित कराए गए। इस वर्ष इस सप्ताह को ऑनलाइन माध्यम से मनाया गया।

विभाग द्वारा पोषण सप्ताह के उपलक्ष्य में दिनांक 4 सितम्बर, 2021 को एक ऑनलाइन पोषण क्विज आयोजित की गई। गृह विज्ञान के शिक्षार्थियों द्वारा इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया।

दिनांक 5 सितम्बर, 2021 को गृह विज्ञान संकाय और शिक्षार्थियों का एक ऑनलाइन विचार विमर्श सत्र का आयोजन किया गया जिसमें गृह विज्ञान विभाग के शिक्षकों ने अपने शिक्षार्थियों के साथ संवाद किया और शिक्षार्थियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इस सत्र में बच्चों के पोषण, समुदाय में उनके पोषण की स्थिति, सरकार की तरफ से चलाई जा रही पोषण सम्बंधी योजनाओं, उतराखण्ड में बच्चों के स्वास्थ्य की स्थिति आदि विषयों पर विचार विमर्श किया गया। यह सत्र बहुत सफल रहा। एम0ए0 गृह विज्ञान के कई शिक्षार्थी सरकारी विद्यालयों में शिक्षक हैं। चूँकि पोषण सप्ताह की इस वर्ष की थीम मुख्यतः बच्चों के पोषण से सम्बंधित है इसलिए इस विचार विमर्श सत्र में इन शिक्षार्थियों को अपने विद्यालयों में पोषण सप्ताह के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित कराने को प्रेरित किया गया। जिसके फलस्वरूप कई शिक्षार्थियों ने अपने विद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित कराए। दिनांक 6 सितम्बर, 2021 को विभाग द्वारा एक ऑनलाइन पूरक आहार रेसिपी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छः माह से अधिक आयु के शिशु हेतु एक पूरक आहार की रेसिपी बनाकर उसका पोषक मूल्य के बारे में जानकारी देनी थी। सभी शिक्षार्थियों ने इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया इस सम्पूर्ण कार्यक्रम का आयोजन डॉ. प्रीति बोरा, डॉ. मोनिका द्विवेदी एवं डॉ. ज्योति जोशी के समन्वयन में सफलतापूर्वक किया गया।

National webinar on Achievement, Challenges and Perspectives in Higher Education with special reference to NEP2020

School of Education, organized one day National Webinar on Achievement, Challenges and Perspectives in Higher Education with special reference to NEP2020 Celebrating “AzadikaAmritMahotsav”. Prof.O.P.S. Negi Hon'ble VC, UOU was Patron of this webinar. Prof.Anil Shukla Hon'ble VC Khawaja MoinuddinChishti Language University Lucknow was chief guest in this webinar.

Organizing secretory DrKalpanaPatniLakhera presented opening remark about webinar. Prof H.P. Shukla, Director, School of Education welcomed Chief guest, Dignitaries, faculty members, research scholars connected virtually. Prof.SeemaDhawan keynote speaker highlighted perspectives in higher Education with special reference to NEP2020. Guest Speaker Prof. Manoj Kumar Saxena highlighted challenges in implementing recommendations of NEP2020.

2 Two Week FDP Program organized by School of Computer Science & IT and Online Program Cell, Uttarakhand Open University in collaboration with Commonwealth Media Centre for Asia(CEMCA), New Delhi

SWAYAM stands for Study Webs of Active-Learning for Young Aspiring Minds is an Indian Massive Open Online Course (MOOC) platform. SWAYAM is an initiative launched by the Ministry of Human Resource Development, Government of India under Digital India to give a coordinated stage and free entry to web courses, covering all advanced education, High School and skill sector courses. As we realized from this COVID 19 pandemic situation and initiatives of Govt. of India for Online Education, there will be more need-based courses required in SWAYAM as well as for different institutional platform to provide better learning opportunities for youths. Hence, the teacher/course developers need to be trained on how to develop online courses in compliance with SWAYAM standard. The FDP is offered as MOOC, therefore the learner has to flexibility to access the course contents as per his/her convenience within the specified timeframe.

छह दिवसीय बीएड (विशेष शिक्षा)कार्यशाला का ऑनलाइन आयोजन

शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा में 6 दिवसीय बीएड विशेष शिक्षा कार्यशाला का ऑनलाइन आयोजन 01 से 6 अक्तूबर तक किया गया तथा 24 से 29 अक्तूबर तक 6 दिवसीय बीएड विशेष शिक्षा कार्यशाला का ऑफ लाइन आयोजन किया गया

Uttarakhand Open University
(Established by the Govt. of Uttarakhand vide Act No. 23 of 2005)
उत्तराखण्ड सरकार का एक मात्र मुक्त विश्वविद्यालय
University Road, Behind Transport Nagar
(Teen Pani Bypass), Haldwani -263139,Uttarakhand
Phone: 05946-286000, Fax : 05946-264232